आतिथ्य उद्योग ने महामारी से प्रभावित क्षेत्र के लिए रखी ऋण स्थगन की मांग

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

आतिथ्य उद्योग निकाय एफएचआरएआइ ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इस क्षेत्र के कारोबारियों द्वारा लिए गए ऋण को स्थगित करने पर विचार करने को कहा है। इसके साथ ही निकाय ने महामारी से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्र का समर्थन करने के लिए तत्काल उपायों के हिस्से के रूप में ऋणों के पुनर्गठन के लिए एक विशेष समाधान ढांचा तैयार करने का भी आग्रह किया है।

वित्त मंत्री को सौंपे गए पत्र में फेडरेशन आफ होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन आफ इंडिया (एफएचआरएआइ) ने आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत लिए गए ऋणों के लिए कम से कम एक वर्ष की मोहलत मांगी है। इसके अलावा एफएचआरएआइ ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों से गारंटी के साथ कार्यशील पूंजी समर्थन करने का भी अनुरोध किया है। निकाय ने महामारी से प्रभावित क्षेत्र के लिए 60 हजार करोड़ रुपए की ऋण गारंटी योजना को तत्काल प्रभाव से अधिसूचित करने की भी मांग की है। एफएचआरएआइ ने यह मांग वित्त वर्ष 2022-23 के लिए के एक फरवरी को संसद में पेश किए जाने वाले बजट से पहले की है। इसके अलावा उद्योग की मांगों पर टिप्पणी करते हुए एफएचआरएआइ के उपाध्यक्ष गुरबख्श सिंह कोहली ने कहा कि हम वर्तमान में कोरोना विषाणु की तीसरी लहर के बीच में हैं और आतिथ्य उद्योग एक और लहर की मार नहीं झेल पाएगा। उन्होंने कहा कि नुकसान की संभावना को देखते हुए और तीसरी लहर के प्रभाव से बचने में सक्षम होने के लिए हम वित्त मंत्री से तुरंत हमारे क्षेत्र के लिए विशेष उपायों की घोषणा करने का अनुरोध करते हैं।

> *एफएचआरएआइ* ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों से गारंटी के साथ कार्यशील पूंजी समर्थन करने का भी अनुरोध किया है।